॥ श्री ॥

जैनयात्रादर्पण.

इस पुस्तकमें दिगंबर मतवालोंकी सर्व यात्रा लिखी है.

यह यात्राकी छोटी पुस्तक दुलीचंद पाल्हिक श्रावक सवाई जयपुरवालेने छपवाई है.

बंबईमें,

यह पुस्तक "निर्णयसागर" छापखानेमें छपा है.

शके १८१

इस पुस्तकउपर रजिष्टिरी कराई है इसलें कि हमारी मरजीविना कोइ न छापे अगर कोई छपावे तो सरकार अंगरेज बहादुरके कानून मा फल पावेगा.